



TREATMENT INJUSTICE (NGO)

AUTOIMMUNE DISEASES

ऑटोइम्यून रोग





AUTOIMMUNE DISEASES

इससे बुरा क्या हो सकता है ?

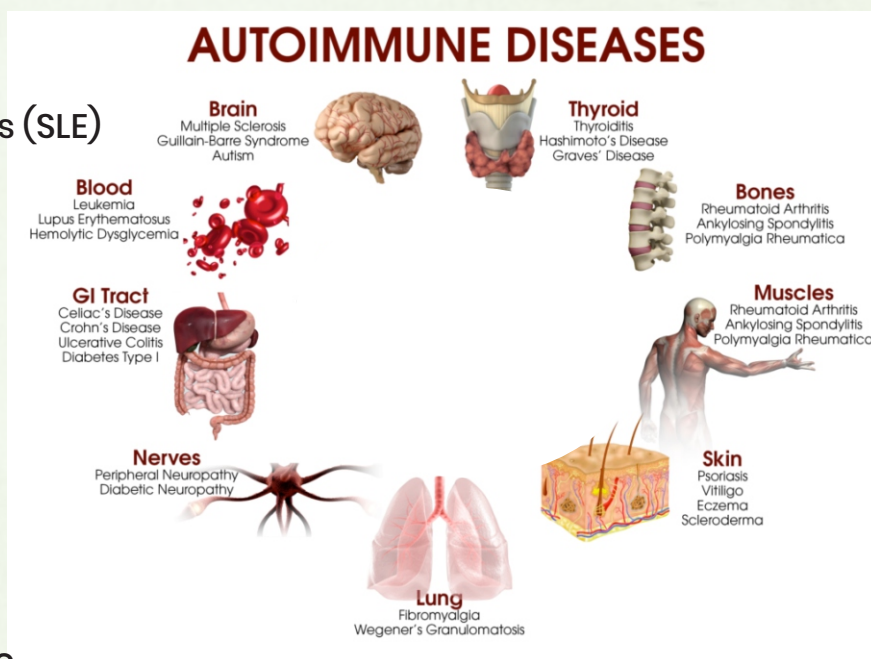
जब हमारा शरीर यह महसूस करने लगता है कि हमारे अपने शरीर के हिस्से हमारे नहीं हैं और उन पर हमला करना शुरू कर देता है, तो इसे ऑटोइम्यून रोग कहा जाता है। ऑटोइम्यून रोग तब होते हैं, जब शरीर की रक्षा प्रणाली गलती से शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को बाहरी तत्व समझकर उन पर हमला करने लगती है। इसके कई कारण हो सकते हैं। Modern Medical Science में इसका इलाज आमतौर पर symptoms को manage करने और hyperactive immune system को control करने पर केंद्रित होता है।

Symptoms

Autoimmune diseases में अलग-अलग organs के अनुसार अलग-अलग symptoms दिखाई दे सकते हैं। शुरुआती stages में कुछ symptoms similar भी हो सकते हैं, जैसे fatigue, dizziness या lightheadedness, low-grade fever, muscle aches और swelling.

Most Common Types of Autoimmune Diseases

- Rheumatoid arthritis (RA)
- Psoriasis/psoriatic arthritis
- Multiple sclerosis
- Systemic lupus erythematosus (SLE)
- Inflammatory bowel disease
- Addison's disease
- Graves' disease
- Hashimoto's thyroiditis
- Sjögren's disease
- Myasthenia gravis
- Celiac disease
- Autoimmune vasculitis
- Pernicious anemia
- Giant cell myocarditis
- Connective tissue diseases etc...



आयुर्वेद के अनुसार Autoimmune Diseases क्या हैं..

आयुर्वेद के अनुसार, Autoimmune diseases एक ऐसी स्थिति है, जो ओजस के असंतुलन की वजह से होती है। ओजस को immunity यानी शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता से जोड़ा जाता है।

आइए समझते हैं कि ओजस/इम्युनिटी बढ़ती कैसे है। आयुर्वेद के अनुसार, जब भी हम कुछ अच्छा खाते हैं, तो वह पाचन के बाद सबसे पहले रस धातु में बदलता है। इसके बाद क्रमशः रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और शुक्र धातु का निर्माण होता है। अंत में शरीर में ओजस बनता है। जब किसी धातु की वृद्धि या कमी होती है, तो उसका प्रभाव ओजस पर भी पड़ सकता है। अगर ओजस सही तरह से काम नहीं करता, तो शरीर अपने ही ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसी स्थिति को Autoimmune response से जोड़ा जाता है।

इसलिए आयुर्वेद में autoimmune conditions को manage करने के लिए सबसे पहले अग्नि को संतुलित करने, टॉक्सिन्स/आम को कम करने और धातुओं के सही पोषण पर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए उचित आहार, जीवनशैली, औषधियां और जरूरत के अनुसार पंचकर्म का सहारा लिया जा सकता है।



Autoimmune Diseases की मॉडर्न दवाओं के साइड इफ़ेक्ट

NSAID Drugs के ज्यादा इस्तेमाल से MI का खतरा

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK547742/#:~:text=Cardiovascular%20adverse%20effects%C2%A0can%20also%20be%20increased%20with%20NSAID%20use%3B%20these%20include%20MI%2C%20thromboembolic%20events%2C%20and%20atrial%20fibrillation.%20Diclofenac%20seems%20to%20be%20the%20NSAID%20with%20the%20highest%20reported%20increase%20in%20adverse%20cardiovascular%20events.%5B14%5D>



Corticosteroids blood pressure बढ़ा सकते हैं और धमनियों को अंदर से कमजोर

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK547742/#:~:text=Cardiovascular%20adverse%20effects%C2%A0can%20also%20be%20increased%20with%20NSAID%20use%3B%20these%20include%20MI%2C%20thromboembolic%20events%2C%20and%20atrial%20fibrillation.%20Diclofenac%20seems%20to%20be%20the%20NSAID%20with%20the%20highest%20reported%20increase%20in%20adverse%20cardiovascular%20events.%5B14%5D>



DMARDs से सामान्य से ज्यादा infection का खतरा बढ़ सकता है।

Including bacterial, fungal and viral infections.
Reactivation of tuberculosis, herpes zoster and hepatitis
Bone marrow suppression and hepatotoxicity

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK507863/#:~:text=The%20most%20concerning,with%20biologic%20DMARDs>



Autoimmune disease में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन से renal toxicity और gastric ulcer

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5506195/>



हो सकते हैं Serious Infection

<https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/16011443/#:~:text=adalimumab%20are%20injection,reactivation%20of%20tuberculosis>



ध्यान रखें:

इन दवाओं के side effects को समझना जरूरी है, ताकि autoimmune care में सही और सुरक्षित decision लिया जा सके।





AUTOIMMUNE DISEASES में आयुर्वेद की भूमिका

समदोषः समाग्निश्च समधातु मलः क्रियाः।

प्रसन्नात्मेन्द्रिय मनः स्वस्थ इत्यभिधीयते॥

आयुर्वेद के अनुसार, autoimmune conditions का संबंध कमजोर अग्नि और शरीर में बने आम से जोड़ा जाता है। आम को ऐसे toxins के रूप में समझा जा सकता है, जो शरीर की सामान्य कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। जब आम शरीर के tissues में जमा होने लगता है, तो immune system असंतुलित हो सकता है, जिससे शरीर अपने ही healthy tissues पर प्रतिक्रिया कर सकता है।

Autoimmune conditions में विभिन्न धातुएं और शरीर के tissues प्रभावित हो सकते हैं। जब अग्नि कमजोर होती है, तो धातुओं का सही पोषण प्रभावित हो सकता है और शरीर में imbalance बढ़ सकता है। आयुर्वेद में ऐसे imbalance को manage करने के लिए अग्नि को संतुलित करने, आम को कम करने, दोषों को balance करने और lifestyle सुधारने पर ध्यान दिया जाता है।

ऑटोइम्यून विकार में देखा जा सकता है कि पित्त प्रधान प्रकृति वाले व्यक्तियों में ऑटोइम्यून रोगों की संभावना अधिक हो सकती है। लेकिन पित्त अकेले काम नहीं करता। जब शरीर में पित्त का स्तर बढ़ता है, तो यह अग्नि पर दबाव डाल सकता है। इससे toxins पूरे शरीर में फैल सकते हैं। अंत में अग्नि कमजोर जगह पर जमा हो सकती है, जिससे वहां रोग बढ़ने की संभावना हो सकती है।

प्रारंभिक चरण में अनियमित lifestyle और विरुद्ध आहार के कारण मल का संचय और कमजोर जठराग्नि की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इसे आयुर्वेद में “आम” के रूप में समझा जाता है। दूसरे चरण में पित्त की प्रधानता के कारण अग्नि और धातु-कार्य प्रभावित हो सकते हैं, जिससे धातुक्षय और immunity कमजोर हो सकती है। इस चरण में सूजन भी हो सकती है।

ऑटोइम्यून विकार के advanced stage में वात प्रकोप के कारण बीमारी अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ सकती है। अग्नि अपने नियंत्रण से बाहर हो सकती है और अतिरिक्त धातुपाक की स्थिति बन सकती है, जो कई समस्याओं के विकास में योगदान दे सकती है।

Autoimmune Bullous Skin Disease Managed with Ayurveda

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5726192/#:~:text=There%20was%20marked,day%20of%20discharge>



SLE का आयुर्वेद में इलाज

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC6938929/#:~:text=She%20responded%20well,%5D>

Panchakarma therapy से autoimmune pancreatitis (AIP) में सुधार

<https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8078606/>



Ayurveda पंचकर्म के महत्व को समझें..!



पंचकर्म आपके शरीर का नया जन्म है

Dr. Naresh Trehan
Renowned cardiac surgeon and
Founder of Medanta, Gurugram



पंचकर्म बॉडी डिटॉक्स का साधन है

Dr. SK Sarin
Renowned liver Expert
Director of the Institute of Liver and Biliary Sciences



पंचकर्म प्रत्येक व्यक्ति को करवाना चाहिए,
मनुष्य के स्वास्थ्य को बनाए रखने का यह एक प्रमुख स्रोत है।



Prof. ISH SHARMA
MD, Ph.D Ayurveda
Ayurveda Ambassador (Mauritius)

<https://www.instagram.com/reel/DUSRSkvCNMG/?igsh=ZzJmdWUxb2FheXdI>



हम अपने घर की रोज़ साफ-सफाई (Dusting) करते हैं, फिर भी दिवाली पर सफाई करने पर घर के हर कोने से सामान और गंदगी निकलती है। उसी तरह भले ही हम अपने शरीर को शुद्ध रखने की कोशिश करते हैं, फिर भी इसकी पंचकर्म शुद्धि अत्यंत आवश्यक है।



जिस प्रकार हम समय-समय पर अपने स्कूटर, बाइक और कार की सर्विस करवाते हैं, उसे ठीक रखने के लिए। उसी प्रकार..

अपने शरीर की शुद्धि (Servicing) क्यों नहीं करवाते..?



क्या अगर आप भी लाखों लोगों की तरह केमिकल वाली ड्रग्स

के साइड इफेक्ट्स से छुटकारा पाना चाहते हैं..?
तो आज ही अपनी पंचकर्म शुद्धि
JOURNEY शुरू करें।

